The Research Dialogue

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com

कैसे एक अच्छा शोध पत्र लिखें

गौरव शर्मा

प्रवक्ता

एस.एस.कॉलेज शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश

gauravsharma0302@gmail.com

शोध पत्र की पृष्ठभूमि

शोध पत्र (Research Paper) एक विशेष विषय पर विशेषज्ञता, अध्ययन, अनुसंधान, अनुभव और प्रयोग के आधार पर लिखा गया एक विस्तृत लेख होता है जिसमें विशेष विषय पर नई जानकारी, अध्ययन या विचारों को प्रस्तुत किया जाता है। ये शोध पत्र वैज्ञानिक विषय, सामाजिक विषय, भाषा, साहित्य, तकनीकी विषय या इतिहास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लिखे जा सकते हैं।

शोध पत्र की प्रस्थभूमि उस विषय के मूल लक्ष्य और संदर्भ को स्पष्ट करती है जिस पर शोध पत्र लिखा जा रहा है। इसमें निम्नलिखित पंक्तियाँ शामिल होती हैं ।

1. **शोध पत्र के विषय का संक्षेपणः** प्रस्तुत शोध पत्र के मुख्य विषय या अध्ययन का संक्षेपण।
2. **प्रस्तुत शोध का उद्देश्यः** विशेष विषय पर शोध करने का मुख्य उद्देश्य क्या है।
3. **पिछले अनुसंधानों का संक्षेपणः** पहले किए गए संबंधित अनुसंधानों का संक्षेपण जिससे पाठक को पता चले कि विशेष विषय पर कितना काम किया गया है और उसमें क्या नया है।
4. **अध्ययन का माध्यम और दृष्टिकोणः** यह बताता है कि शोध पत्र के लेखक ने अपने अध्ययन को कैसे अपनाया है और उनकी दृष्टिकोण क्या है।
5. **शोध के परिणामः** शोध के अध्ययन से प्राप्त परिणामों का संक्षेपण।
6. **नई योजना या अनुसंधान की सिफारिशः** प्रस्तुत शोध पर आधारित आगामी अनुसंधान के लिए सिफारिश।
7. **संदर्भ पुस्तिकाः** शोध पत्र में प्रयोग किए गए सभी संदर्भों की सूची।

प्रस्थभूमि विभिन्न विशेषज्ञ, शिक्षक, छात्र और अन्य पाठकों को शोध पत्र के विषय और मुख्य बिंदुओं के बारे में सूचित करती है जिससे उन्हें पता चलता है कि क्या शोध पत्र उनके अध्ययन या अनुसंधान के लिए उपयुक्त हो सकता है।

शोध पत्र लिखने की आवश्यकता

शोध पत्र (Research Paper) लिखने की आवश्यकता विभिन्न कारणों से उत्पन्न हो सकती है। यह एक वैज्ञानिक अध्ययन, विशेषज्ञता, या विषयावधारणा पर आधारित विशेषता वाले विषय पर आधारित एक विशेष लेख होता है। निम्नलिखित कुछ मुख्य कारण हैं जिनके कारण शोध पत्र लिखने की आवश्यकता हो सकती हैरू

1. **शोधार्थी या विद्यार्थीः** शिक्षा के स्तर पर, छात्रों को विभिन्न विषयों में शोध पत्र लिखने का आवस्यकता हो सकता है। यह उनके विशेषज्ञता और अध्ययन क्षेत्र के प्रदर्शन का एक माध्यम होता है और उन्हें अपने विषय में नवीनतम शोध और अविष्कार को प्रस्तुत करने का मौका देता है।
2. **विश्वविद्यालय और शोध संस्थानों में अध्यापकः** शोध संस्थानों में अध्यापकों को भी अपने विशेषज्ञता के विषय में अध्ययन और शोध के परिणामों को प्रस्तुत करने के लिए शोध पत्र लिखने की आवश्यकता होती है।
3. **विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यावसायिक अध्ययनः** नई विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यावसायिक अध्ययन, आर्थिक विकास इत्यादि क्षेत्र में नवीनतम शोध को दिलाने के लिए शोध पत्र लिखा जाता है। इसके माध्यम से विज्ञानिक समुदाय को नए ज्ञान की पहुंच मिलती है और विभिन्न विषयों में विकास होता है।
4. **अनुसंधान और प्रोजेक्टः** सरकारी और गैर–सरकारी संस्थानों, निजी संगठनों, या व्यक्तियों द्वारा चलाए जा रहे अनुसंधान और प्रोजेक्ट्स के परिणामस्वरूप शोध पत्र लिखने की आवश्यकता होती है। इससे उनके शोध के फलने और उत्पादन को व्यक्त करने में मदद मिलती है।
5. **विज्ञानियों और अध्ययनकर्ताओं के लिए संवेदनशील विषयों परः** कई विज्ञानियों और अध्ययनकर्ताओं को समाज के संवेदनशील विषयों पर अपने विचार और अध्ययन के परिणामों को लोगों तक पहुंचाने के लिए शोध पत्र लिखने की आवश्यकता हो सकती है।

यदि आपके पास किसी विशेष विषय पर शोध के परिणामों को संवेदनशीलता और प्रकाश के साथ समाज में पहुंचाने की जरूरत है, तो शोध पत्र लिखने का एक अच्छा माध्यम हो सकता है। शोध पत्र लेखन में धैर्य, तर्क, सिद्धांतों के प्रस्तावना, और शोध के परिणामों को सही और संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत करने की योग्यता शामिल होती है।

शोध पत्र लिखने के लाभ

शोध पत्र (त्मेमंतबी चंचमत) एक लेखक या शोधकर्ता द्वारा एक विशिष्ट विषय पर नई जानकारी, प्रतिपुष्टि, अध्ययन या विशेषज्ञता का प्रस्तावन करता है। शोध पत्र लिखना एक अनुसंधानीय कार्य है जो विभिन्न शैक्षिक, विज्ञानिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है। यहां कुछ शोध पत्र के लाभों का उल्लेख किया गया हैरू

1. **नई ज्ञान का प्रसारः** शोध पत्रों के माध्यम से नए और महत्वपूर्ण ज्ञान का प्रसार होता है। इससे शैक्षिक और वैज्ञानिक समुदाय को अद्यतित और विशेषज्ञता प्राप्त करने में मदद मिलती है।
2. **अध्ययन और अनुसंधान को प्रोत्साहित करनाः** शोध पत्र लिखने से विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और विज्ञानियों को अध्ययन और अनुसंधान करने के प्रति प्रोत्साहन मिलता है।
3. **विचारशीलता और समस्या पर विचार करनाः** शोध पत्र लिखने से लेखक को विचारशीलता विकसित करने और विभिन्न समस्याओं पर गहन विचार करने का मौका मिलता है।
4. **अध्ययन की गुणवत्ता को सुनिश्चित करनाः** शोध पत्रों के माध्यम से दिए गए विश्लेषण, प्रत्याख्यान और नतीजों के आधार पर अध्ययन की गुणवत्ता को मापा जा सकता है।
5. **सार्वजनिक नागरिकों के लिए उपयोगी जानकारीः** शोध पत्र सार्वजनिक नागरिकों को उपयोगी और ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान करते हैं। वे विशेषज्ञता और विज्ञान के क्षेत्र में उन्हें अवगत कराते हैं।
6. **आगामी अनुसंधान के लिए आधार स्थापित करनाः** शोध पत्र एक विशिष्ट अध्ययन के परिणामों पर आधारित होते हैं और आगामी अनुसंधान के लिए नए अध्ययनों के लिए एक मूल बिंदु प्रदान करते हैं।
7. **शोध समुदाय को सहायता प्रदान करनाः** शोध पत्रों के माध्यम से शोध समुदाय को एक अनुसंधान विषय पर संपूर्ण ज्ञान, प्रस्तावना, और विश्लेषण प्राप्त होते हैं, जिससे वे अपने खुद के अनुसंधान को आगे बढ़ा सकते हैं।

शोध पत्र लिखने के लाभ विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान के विकास और सामाजिक उन्नति के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह नए विचारों और ज्ञान के संचार में मदद करता है और समस्याओं के समाधान के लिए नए मार्गदर्शक दिखा सकता है।

शोध पत्र लेखन हेतु शीर्षक का चयन

शोध पत्र लेखन हेतु शीर्षक का चयन कैसे करें? यह अधिकांश विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिए कठिन प्रश्न है। शोध पत्र लेखन हेतु शीर्षक चयन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो आपके शोध पत्र के सफलता में मदद कर सकती है। एक अच्छा शीर्षक आपके शोध के मुख्य विषय और अध्ययन के प्रमुख संक्षेप में संकेत करता है। यह पाठकों को आपके पेपर में शामिल होने वाली सूचना और तथ्यों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। इसलिए, शीर्षक का चयन सावधानीपूर्वक करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यहां कुछ चरण हैं जिनका अनुसरण करके आप अपने शोध पत्र के शीर्षक का चयन कर सकते हैं–

1. **सरलता और संक्षेपः** शीर्षक को सरल और संक्षेप में रखना चाहिए। यह विषय के मुख्य संक्षेप को दर्शाना चाहिए और पाठकों को प्रेरित करने की क्षमता होनी चाहिए। लंबे शीर्षक अक्सर ध्यान भटका सकते हैं।
2. **मुख्य धारा के अनुरूपः** शीर्षक ऐसा होना चाहिए जो आपके शोध पत्र की मुख्य धारा के अनुरूप हो। शीर्षक द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला संक्षेप आपके पत्र के विषय और उसके उपकथान के संबंध में पाठकों को साफ़ रूप से बताना चाहिए।

3. **उत्कृष्ट भाषा और शैली:** शीर्षक को उत्कृष्ट भाषा और शैली में रखने से पढ़ने वाले के रुचि को बढ़ाया जा सकता है। विशेषज्ञ भाषा या जारीबदस्त वाक्यांश से बचना चाहिए।
4. **उत्तेजक और रोचक:** शीर्षक उत्तेजक और रोचक होना चाहिए ताकि पाठकों का ध्यान खींच सके। एक रोचक शीर्षक आपके पेपर को अन्य समान्य शोध पत्रों से अलग बना सकता है।
5. **विषयवस्तु समझें:** अपने पेपर की विषयवस्तु को अच्छी तरह समझें और इसे आपके शीर्षक में उपस्थित करने का प्रयास करें। यदि आपको विषय के बारे में संक्षेप में समझने में कठिनाई होती है, तो किसी समीक्षार्थी या आपके शोध के मार्गदर्शक से सलाह लें।
6. **प्रासंगिकता:** शीर्षक को विषयवस्तु की प्रासंगिकता से संबंधित होना चाहिए। शीर्षक को ऐसे तत्वों से बनाया जाना चाहिए जो आपके शोध के समर्थन में हैं और विषयवस्तु को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करते हैं।
7. **विशेषता:** शीर्षक अपने पेपर की विशेषता को प्रकट करनी चाहिए। किसी अनूठे आधार या नए दृ ष्टिकोण का उल्लेख करके, अपने पेपर को अन्यों से अलग दिखाने का प्रयास करें।

आप इन सावधानियों का पालन करके अपने शोध पत्र के शीर्षक का चयन कर सकते हैं। ध्यान देने योग्य शीर्षक के चयन से आपके शोध पत्र का प्रभाव और महत्व बढ़ सकता है।

शोध पत्र में मौलिकता कैसे हो

मौलिकता शोध पत्र में एक महत्वपूर्ण अंश है, जिसमें शोध की महत्वपूर्ण विषयों और क्षेत्रों की पूरी जानकारी दी जाती है। इस पत्र के माध्यम से शोध प्रस्तावना तैयार करने के उद्देश्य से एक अच्छी मोलिकता तैयार करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके शोध के माध्यम से प्रस्तावित शोध परियोजना के विवरणों को स्पष्ट करता है और शोध के प्रमुख अंशों को समझाने में मदद करता है।

एक अच्छी मोलिकता में निम्नलिखित अंशों को शामिल करना महत्वपूर्ण हैरू

1. **शोध प्रश्न (Research Question):** आपके शोध का मुख्य विषय और आपके शोध के प्रधान उद्देश्य को स्पष्ट रूप से परिभाषित करें। शोध प्रश्न से यह स्पष्ट होना चाहिए कि आप अपने शोध में क्या खोजने वाले हैं और यह क्यों महत्वपूर्ण है।
2. **पिछले शोध (Literature Review):** मोलिकता में पिछले शोधों और संबंधित प्रकाशनों का एक विस्तृत संबंधन प्रस्तुत करें। इससे आपका शोध प्रश्न और उद्देश्य विश्लेषण किया जाता है और यह बताता है कि आपका शोध प्रस्ताव अनुपूरक और नया है।
3. **सिद्धांतिक आधार (Theoretical Framework):** आपके शोध प्रस्ताव को सिद्धांती आधार से संरचित करें। यह उन सिद्धांतों का विवरण करता है, जिनका आपका शोध से संबंध है और जिनका आप अपने शोध के परिणामों को व्याख्यान करने में उपयोग करेंगे।
4. **शोध का उपाय (Methodology):** आपके शोध के लिए उपयोग किए जाने वाले विधियों और तकनीकों का वर्णन करें। इसमें समीक्षा, अनुसंधान, नमूना संग्रह, डेटा विश्लेषण, आदि का वर्णन शामिल होता है।

5. **शोध के योजना (Research Plan):** अपने शोध के योजना को स्पष्ट करें, जिसमें आपके शोध के विभिन्न चरणों और समय–सीमाओं का विवरण हो। यह शोध प्रस्तावना को लागू करने में मदद करता है और आपके शोध की प्रगति को समझने में महत्वपूर्ण होता है।
6. **संसाधन (Resources):** शोध के लिए आवश्यक संसाधनों का विवरण करें, जैसे लाभांशी और तकनीकी संसाधन, डेटा स्रोत, लेब उपकरण, आदि।
7. **संभावित परिणाम (EÛpected Outcomes):** आपके शोध से प्राप्त होने वाले संभावित परिणामों का वर्णन करें। यह आपके शोध के प्रमुख लाभों को स्पष्ट करता है और आपके शोध के नए अविष्कारों के संदर्भ में मदद करता है।
8. **संगठन और लेखन शैली (Organization and Writing Style):** मोलिकता को संगठित और सुव्यवस्थित रखें, जिससे पठने वालों को आसानी से समझा जा सके। इसके लिए अच्छी लेखन शैली और विशेषज्ञता वाले शब्दों का उपयोग करें।

एक अच्छी मोलिकता के लिए इन अंशों को ध्यान में रखते हुए, आप एक सुसंगत शोध प्रस्ताव तैयार कर सकते हैं और अपने शोध को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम होंगे।

शोध पत्र लेखन में साहित्य चयन

शोध पत्र लिखने के लिए साहित्य प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित स्त्रोतों का उपयोग किया जा सकता है–

1. **विश्वविद्यालयी पुस्तकालय:** अपने शोध के विषय से संबंधित पुस्तकालय में जाकर विभिन्न पुस्तकें और अध्ययन सामग्री का संग्रह कर सकते हैं।
2. **अनुसंधान पत्रिकाएँ:** विभिन्न अनुसंधान पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध लेखों का अध्ययन करके विषय से संबंधित विद्वानों के विचार और अनुसंधान के परिणामों को समझ सकते हैं।
3. **इंटरनेट:** विभिन्न वेबसाइटों और ऑनलाइन पुस्तकालयों पर उपलब्ध शोध पत्रिकाएं, पुस्तकें, अध्ययन सामग्री, रिपोर्टें, और दूसरे संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। ध्यान दें कि इंटरनेट पर भी विश्वसनीय स्रोतों का चयन करें।
4. **संगठनों और संस्थाओं की वेबसाइटें:** विभिन्न संगठनों, सरकारी विभागों, शोध संस्थानों और शिक्षण संस्थाओं की वेबसाइटें भी उपयुक्त सामग्री प्रदान करती हैं।
5. **विशेषज्ञ विद्वानों और प्रोफेसरों से संपर्क करें:** आप अपने शोध प्रस्ताव के विषय पर विशेषज्ञ विद्वानों और प्रोफेसरों से संपर्क करके उनसे अनुशंसाएँ प्राप्त कर सकते हैं और उनके सुझावों का फायदा उठा सकते हैं।

ध्यान देने योग्य बातें:

- साहित्य चयन करते समय, सत्यापित और प्रमाणित स्रोतों का ही उपयोग करें।
- संगठनों और संस्थाओं की वेबसाइटों पर, .gov, .edu, या अन्य विश्वसनीय डोमेन्स वाली साइटों का ही विश्वास करें।

- शोध प्रस्ताव में उपयोग किए जाने वाले सामग्री को संदर्भित करते समय, सही उद्धरण और संदर्भ शैली का पालन करें।

शोध पत्र लिखने के लिए उपयुक्त साहित्य का संग्रह करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपके शोध के गुणवत्ता और प्रस्ताव को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

एक शोध पत्र का पूर्णाकार–

पूर्णाकार शोध पत्र का अर्थ होता है एक पूर्ण और विस्तृत शोध प्रोजेक्ट का पत्र, जिसमें किसी विशेष विषय या विचार के बारे में गहन अध्ययन और विश्लेषण के परिणामस्वरूप प्रस्तुतिकरण होता है। यह पूर्णाकार शोध पत्र एक विशेष अध्ययन के परिणामों, संदर्भ, शोध संचालन के तरीके और नतीजों को समझाता है।

पूर्णाकार शोध पत्र का ढांचा अनुसरण किया जा सकता है–

1. **प्रस्तावना:** शोध पत्र की प्रस्तावना में शोध विषय, मुख्य उद्देश्य, समस्या विवरण, शोध के लक्ष्य, विशेषता और अध्ययन के प्रत्याशित परिणाम सम्मिलित होते हैं।
2. **संदर्भ ग्रंथ पुस्तक:** शोध पत्र में पूर्व शोध, पुस्तक, जर्नल और अन्य संसाधनों के संदर्भ विवरण होते हैं जिनका उपयोग अध्ययन के लिए किया गया है।
3. **संशोधन विधि:** शोध पत्र में उपयोग किए गए संशोधन विधि और शोध साधनों का विवरण होता है। इसमें उपयोग किए गए आधारभूत तत्व, आयोजन, समय–सीमा, संगठन और विधियों का स्पष्टीकरण होता है।
4. **परिणाम और विवरण:** शोध पत्र में शोध के परिणाम, उनका विवरण और उनके बारे में विस्तृत विश्लेषण होता है। इसमें विशेष चित्रांकन, तालिकाएं, ग्राफ और अन्य विज्ञानात्मक आंकड़े सम्मिलित होते हैं।
5. **अनुसंधान का महत्व:** शोध पत्र में अनुसंधान के महत्व को समझाया जाता है, उसके परिणामों के आधार पर किए गए योगदान का वर्णन होता है।
6. **निष्कर्ष:** शोध पत्र के अंत में शोध के परिणामों के आधार पर निष्कर्ष निकाला जाता है और शोध के लक्ष्यों के साथ उनके संबंध में चर्चा की जाती है।
7. **संदर्भ पुस्तकों की सूची:** शोध पत्र में शोध के दौरान उपयोग किए गए सभी संदर्भ पुस्तकों की एक विस्तृत सूची होती है।

पूर्णाकार शोध पत्र विशेषता, अकादमिक अनुसंधान के क्षेत्र में उच्चतम स्तर का ज्ञान, प्रोफेशनल अनुसंधान के लिए गुणवत्ता मानकों का पालन, वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण, और शोधीय प्रशासनिक विधियों का पालन करता है। यह एक विशेष अध्ययन के नतीजों को शोधकर्ता समुदाय और सामाजिक समुदाय के साथ साझा करने का माध्यम भी होता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- Best, John W. (2006) : *Research in Education, New Delhi*: Printing Hall of India Private Limited.
- Kahan James V., Best, John W., Jha and Arvind K. (2008): *Research in Education, Noida*: Pearson India Education Private Limited.
- **शर्मा, आर.ए. (1995);** षिक्षा अनुसंधान, निकट गर्वनमेण्ट कालेज, मेरठ; आर लाल बुंक डिपो।
- **गुप्ता, एस.पी. (2020);** अनुसंधान संदर्षिका सम्प्रत्यय, कार्यविधि एवं प्रविधि, प्रयागराज; शारदा पुस्तक भवन।
- **शर्मा, आर.ए. (2009);** षिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं अनुसंधान प्रक्रिया, मेरठ; आर. लाल बुक डिपो।
- http://www.infoplease.com/homework/t3 sourcesofinfo.html
- http://www.ebscohost.com/academic
- http://owl.english.purdue.edu/owl/resour ce/552/03/
- http://owl.english.purdue.edu/owl/resource/544/02/
- http://www.indiana.edu/~wts/pamphlets /thesis statement.shtml
- http://libguides.jcu.edu.au/content.php?pid=83923&sid=3619280
- http://writing.yalecollege.yale.edu/why- are-there-different-citation-styles
- http://professionalonlineediting.com/how -to-edit-your-essay-or-research-paper- fast.asp

THE RESEARCH DIALOGUE

An Online Quarterly Multi-Disciplinary
Peer-Reviewed / Refereed Research Journal
ISSN: 2583-438X
Volume-2, Issue-2, July-2023
www.theresearchdialogue.com
Certificate Number July-2023/11

Certificate Of Publication

This Certificate is proudly presented to

गौरव शर्मा

for publication of research paper title

कैसे एक अच्छा शोध पत्र लिखें

Published in 'The Research Dialogue' Peer-Reviewed / Refereed Research Journal and E-ISSN: 2583-438X, Volume-02, Issue-02, Month July, Year-2023.

Dr.Neeraj Yadav
Executive Chief Editor

Dr.Lohans Kumar Kalyani
Editor-in-chief

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at www.theresearchdialogue.com